M.A. I Hindi

HIN 111 मध्ययुगीन काव्य और कथेतर गद्य साहित्य
HIN 112 कथासाहित्य और शोध प्रविधि
HIN 113 भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र
HIN 115 नाटककार मोहन राकेश और हिंदी उपन्यास साहित्य

HIN 111 मध्ययुगीन काव्य और कथेतर गद्य साहित्य

इकाई I	पूर्वमध्यकालीन काव्य (कबीर / जायसी) कबीर – सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी – (पदसंख्या 160 से 170) कबीर की काव्यकला, भाषा, समन्वय, मानवता, लोकमंगल जायसी – पद्मावत नागमती वियोग खण्ड (आरंभ के 10 पद) जायसी की काव्यकला, भाषा, समन्वय, विरह वर्णन, लोकतत्व
इकाई II	पूर्वमध्यकालीन काव्य (सूरदास / तुलसीदास) सूरदास – भ्रमरगीत सार – सं. रामचंद्र शुक्ल (पद – 21 से 30) सूरदास की काव्यकला, भाषा, समन्वय, लोकमंगल, विरह वर्णन तुलसीदास – रामचरितमानस – उत्तरकाण्ड (आरंभ के 25 दोहे) तुलसीदास की काव्यकला, भाषा, लोकमंगल, समन्वय, भक्ति, आदर्श कल्पना।
इकाई III	पूर्वमध्यकालीन काव्य (मीरा / रहीम) मीरा – सं. विश्वनाथ त्रिपाठी – (आरंभ के 10 पद) मीरा की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व, प्रगतिशीलता, विरह वर्णन, रहीम की काव्यकला, भाषा, नीतितत्व, समन्वय, प्रेमतत्व रहीम (दोहे : 01 से 25)
इकाई IV	उत्तरमध्यकालीन काव्य (बिहारी / घनानंद) बिहारी – बिहारी सतसई – सं. जगन्नाथदास रत्नाकर (दोहा संख्या 01 से 25) बिहारी की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व, बहुज्ञता घनानंद – कवित्त सं. विश्वनाथ मिश्र, (कवित्त संख्या 01 से 15) घनानंद की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व।
इकाई V	आत्मकथा साहित्य : मुर्दहिया – तुलसीराम आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु / भाषागत अध्ययन।

इकाई VI	निबंध साहित्य : कविता क्या है ? – रामचंद्र शुक्ल लेखक और जनता – डॉ. रामविलास शर्मा मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र संस्कृति और सौंदर्य – नामवर सिंह कुटज – हजारीप्रसाद द्विवेदी पानी है अनमोल – श्रीराम परिहार विशेषताएँ, आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।
इकाई VII	रेखाचित्र साहित्य : माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी स्वरूपगत अध्ययन आलोचनात्मक अध्ययन अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।
इकाई VIII	व्यंग्य साहित्य : भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई स्वरूपगत अध्ययन, आलोचनात्मक अध्ययन, अंतर्वस्तु, भाषागत अध्ययन संस्मरण साहित्य : याद हो की न हो – काशीनाथ सिंह। स्वरूपगत अध्ययन, आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ :

1. मध्ययुगीन हिंदी काव्य – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचंद्र शुक्ल
4. संक्षिप्त सूरसारगर – सं. डॉ. प्रेमनारायण टंडन
5. मीराबाई की पदावली – सं. परशुराम चतुर्वेदी
6. महाकवि भूषण – सं. भगीरथ प्रसाद दीक्षित
7. काव्य की भूमिका – रामधारी सिंह दीनकर
8. घनानंद कवित्त – चंद्रशेखर मिश्र शास्त्री
9. साहित्य और मानवीय संवेदना – डॉ. सदानंद भोसले
10. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा
11. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ. इकबाल अहमद
12. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक.
13. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
14. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
15. पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
16. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल
17. कबीर वचनामृत – संपा. डॉ. विजयेंद्र स्नातक, डॉ. रमेशचंद्र मिश्र
18. कबीर साहित्य का चिंतन – संपा. प्रा. दत्तात्रय टिळेकर
19. भारतीय संतों का साहित्यिक योगदान – संपा. संजय महेर, प्रा. शरद कोलते

1. निबंध वैभव – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. मुर्दहिया – तुलसीराम
3. माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनिपुरी
4. याद हो की न हो – काशीनाथ सिंह

HIN 112 कथासाहित्य और शोध प्रविधि

इकाई I	प्रेमचंदोत्तर के परवर्ती उपन्यास का विकासक्रम (2000 तक) बीसवीं सदी की हिंदी कहानी का विकासक्रम (2000 तक)
इकाई II	उपन्यास साहित्य : आपका बंटी – मन्नू भंडारी तात्विक विवेचन, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई III	कहानी साहित्य : उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी आकशदीप – जयशंकर प्रसाद गैंग्रीन – अज्ञेय दुनिया का अनमोल रत्न – प्रेमचंद सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई IV	कहानी साहित्य : साजिश – सूरपाल चौहान जंगल गाने लगा – अंकुश्री पक्षी और दीमक – ग. मा. मुक्तिबोध दूसरा ताजमहल – नासिरा शर्मा दुख – यशपाल संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई V	शोध का स्वरूप : शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य शोध की विभिन्न परिभाषाएँ और उनका विश्लेषण शोध के उद्देश्य, शोध की विवेचन पद्धति वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता।
इकाई VI	शोध के मूलतत्व : शोध और आलोचना शोध के भेद : साहित्यिक,साहित्येत्तर साहित्यिक शोध के भेद : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय।

इकाई VII	शोध प्रक्रिया : विषय चयन,सामग्री संकलन के स्रोत मूल, सहायक, हस्तलेख संकलन एवं उपयोगिता, तर्क पद्धति : निगमनात्मक पद्धति (Deductive Method) और आगमनात्मक पद्धति (Inductive Method)। विवेचन, निष्कर्ष, स्थापना।
इकाई VIII	शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली : शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ, संदर्भ सूची, MLAपद्धति (Modern language Association), सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार, टंकण, यूनिकोड परिचय।

संदर्भ ग्रंथ :

1. कहानी दशक – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. आपका बंटी – मन्नू भंडारी
3. आज का हिंदी उपन्यास – डॉ. इंद्रनाथ मदान
4. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि : डॉ. सत्यपाल चुघ
5. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष – संपा. रामदरश मिश्र
6. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चंद्रेकांत बांदीवडेकर
7. नई कहानी के विविध प्रयोग – शशिभूषण पाण्डेय शीतांषु
8. समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. पुष्पपाल सिंह
9. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
10. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य का अनुशीलन – डॉ. गोरख थोरात
12. कालजयी साहित्य और हिंदी कहानी – डॉ. राजेंद्र खैरनार
13. रामदरश मिश्र के उपन्यासों में ग्रामीण परिवेश – डॉ. अनिल काळे
13. मार्कण्डेय का कथासाहित्य और ग्रामीण सरोकार – डॉ. जिभाऊ शा. मोरे
14. समकालीन हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष – डॉ. जालिंदर इंगळे
15. सूरजपाल चौहान कृत 'नया ब्राह्मण' एक अनुशीलन – डॉ. प्रदीप सरवदे
16. नासिरा शर्मा एवं सानिया के कथा साहित्य में स्त्री विमर्श – डॉ. महेश दवंगे

1. शोधतंत्र और सिद्धांत – शैलकुमारी
2. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
4. अनुसंधान प्रविधि – सुरेशचंद्र निर्मल
5. अनुसंधान के तत्व – विश्वनाथप्रसाद मिश्र
6. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा

HIN 113 भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई I	भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पति के सिद्धांत (भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनव गुप्त) साधारणीकरण की अवधारणा।
इकाई II	अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, स्वरूप, अलंकार के भेद। काव्य में अलंकार का महत्व। रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति के भेद, काव्य–गुण, रीति एवं शैली।
इकाई III	वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति भेद। ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत के प्रमुख भेद, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।
इकाई IV	औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप, औचित्य के भेद, काव्य में औचित्य की अनिवार्यता।
इकाई V	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत : त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत
इकाई VI	वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत। कॉलरिज का कल्पना और फैंट्सी सिद्धांत लोंजाइनस का योगदान : उदात्त के अंतरंग और बहिरंग तत्व लोंजाइनस का उदात्त सिद्धांत : काव्य में उदात्त का महत्व।
इकाई VII	टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
इकाई VIII	आई. ए. रिचड्र्स : मूल्य सिद्धांत संप्रेषण सिद्धांत, काव्य–भाषा सिद्धांत, व्यावहारिक आलोचना।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र – आ. बलदेव उपाध्याय
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (खंड 1 और 2) – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
5. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
6. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. योगेंद्र प्रतापसिंह
7. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
9. विश्वसाहित्य शास्त्र – सं. नगेंद्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चन सिंह.
11. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर.
12. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत– डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी.
13. भारतीय काव्यशास्त्र– (खंड़–1 और 2)– आचार्य बलदेव उपाध्याय

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
2. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग
3. आधुनिक परिवेश और अस्तित्वाद – शिवप्रसाद सिंह
4. अस्तित्ववाद और मानववाद – ज्यां पॉल सार्त्र
5. उत्तर–आधुनिकतावाद और उत्तर–संरचनावाद – सुधीर पचौरी
6. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – निर्मला जैन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ – सत्यदेव मिश्र
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास सिद्धांत और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चनसिंह
11. अरस्तु का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र
12. पाश्चात्य काव्वशास्त्र – देवेंद्रनाथ शर्मा
13. विश्व साहित्यशास्त्र – सं. डॉ. नगेंद्र

HIN 115 नाटककार मोहन राकेश और हिंदी उपन्यास साहित्य

इकाई I	नाटक और रंगमंच, स्वरूप एवं संरचना हिंदी रंगमंच का विकासक्रम रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ नाटक की पाश्चात्य परंपरा पारसी थिएटर, रंगभाषा
इकाई II	निर्धारित नाटक आषाढ़ का एक दिन कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।
इकाई III	निर्धारित नाटक लहरों के राजहंस कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।
इकाई IV	निर्धारित नाटक आधे अधूरे कथ्यगत अध्ययन रंगमंचीय अध्यन तात्विक मूल्यांकन।
इकाई V	तमस – भीष्म साहनी संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई VI	छप्पर – जयप्रकाश कर्दम संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई VII	गिलीगडू – चित्रामुद्गल संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

इकाई VIII	ग्लोबल गांव के देवता – रनेंद्र संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ :

1. आषाढ़ का एक दिन –मोहन राकेश
2. लहरों के राजहंस –मोहन राकेश
3. आधे अधूरे – मोहन राकेश
4. नाटक और रंगमंच – संपा. गिरिश रस्तोगी
5. रंग दर्शन – नेमिचंद्र जैन
6. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
7. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह
8. हिंदी नाट्य विमर्श – संपा. सदानंद भोसले
9. रंगभाषा – नमिचंद्र जैन
10. पारसी थियेटर उद्‌भव और विकास – सोमनाथ गुप्त
11. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र – देवराज अंकुर
12. बीसवीं शताब्दी का रंगकर्म – डॉ. लवकुमार
13. नाट्यालोचन – डॉ. माधव सोनटक्के
14. नाट्यचिंतन और रंगदर्शन अंतःसंबंध – गिरिश रस्तोगी
15. रंगमंच –बलवंत गार्गी
16. बीसवी शताब्दी का हिंदी रंगमंच –शशिप्रभा अत्री
17. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र –देवेन्द्रराज अंकुर
18. मोहन राकेश : रंग–शिल्प और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा
19. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी

1. तमस – भीष्म साहनी
2. छप्पर – जयप्रकाश कर्दम
3. गिलीगडू – चित्रा मुद्गल
4. ग्लोबल गांव के देवता – रनेंद्र
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास 2 – नामवर सिंह
6. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष – संपा. रामदरश मिश्र
7. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
8. आज का हिंदी उपन्यास – डॉ. इंद्रनाथ मदान
9. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य – डॉ. राजेंद्र खैरनार